No. of Printed Pages : 4

MHD-2

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2021

एम.एच.डी.-2 : आधुनिक हिन्दी काव्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : प्रथम *प्रश्न अनिवार्य है। शेष प्रश्नों में से किन्हीं* **चार** *के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 12×3=36

(क) जीवन की जटिल समस्या
है बढी जटा सी कैसी
उडती है धल हृदय में
किसकी विभति है ऐसी ?

जो घनीभत पीडा थी
मस्तक में स्मति सी छायी
दर्दिन में आँस बनकर
वह आज बरसने आयी।

(ख) शिवजी की तीसरी आँख से
निकली हई महाज्वाला में
घतमिश्रित सखी समिधा-सम
कामदेव जब भस्म हो गया
रति का क्रन्दन सन आँस से
तमने ही तो दग धोये थे ?
कालिदास, सच-सच बतलाना
रति रोई या तम रोये थे ?

(ग) क्षण-भर भुला सकें हम
नगरी की बेचैन बुदकती गडड-मडड अकलाहट—
और न मानें उसे पलायन;
क्षण-भर देख सकें आकाश, धरा, दूर्वा, मेघाली,
पौधे, लता दोलती, फूल, झरे पत्ते, तितली-भुनगे,
फुनगी पर पूँछ उठाकर इतराती छोटी-सी चिडिया—
और न सहसा चोर कह उठे मन में—
प्रकतिवाद है स्खलन
क्योंकि यग जनवादी है।

(घ) धीरे-धीरे चला अकेले
सोचा साथ किसी को ले ले
फिर रह गया. सडक पर सब थे
सभी मौन थे सभी निहत्थे
सभी जानते थे यह उस दिन उसकी हत्या होगी
खडा हआ वह बीच सडक पर
दोनों हाथ पेट पर रखकर
सधे कदम रख करके आये
लोग सिमटकर आँख गडाये
लगे देखने उसको जिसकी तय था हत्या होगी

(ङ) मैं हँ इस नदिया का बढा पल
मझमें से हहराता
गजर गया कितना जल!
लेकिन मैं माथे पर यात्राएँ बोहे इस
रेती में गडा रहा।
मझ पर से घर-घर-घर
गजर गये कितने रथ।
लेकिन मैं पानी के पहियों की
ध्वनि सनता खडा रहा।

2. जयशंकर प्रसाद के काव्य की विशेषताएँ बताइए। 16

3. निराला काव्य का वैचारिक आधार क्या है ? स्पष्ट कीजिए। 16

4. छायावादी काव्यधारा के विकास में सुमित्रानन्दन पंत के योगदान की चर्चा कीजिए। 16

5. दिनकर की राष्ट्रीय चेतना पर प्रकाश डालिए। 16

6. 'असाध्यवीणा' का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए। 16

7. श्रीकांत वर्मा के काव्य की प्रमख विशेषताएँ बताइए। 16

8. "महादेवी वर्मा की वेदना में भारतीय स्त्री का दु:ख प्रकट हआ है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए। 16

9. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के काव्य में नवजागरण के मूल्यों का विवेचन कीजिए। 16